



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 412]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 27, 1977/पौष 6, 1899

No. 412]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 27, 1977/PAUSA 6, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्करण के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December 1977

G.S.R. 777(E).—In exercise of the powers conferred by sub section (1), read with clause (f) of sub-section (2) of section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Delhi Transport Corporation (Advisory Council) Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Advisory Council) Third Amendment Rules, 1977

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Road Transport Corporation (Advisory Council) Rules, 1973,—

(a) in rule 2, clauses (e) and (g) shall be omitted;

(b) in rule 3,

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted namely —

“(a) The Chairman-cum-General Manager of the Corporation who shall be ex officio Chairman of the Council”,

(ii) Clauses (b) and (c) shall be omitted,

(iii) in sub-rule (2) the words “the Vice Chairman, Junior Vice Chairman” shall be omitted,

(c) in sub rule 1 of rule 8 the words ‘the Vice Chairman, the Junior Vice-Chairman’ wherever they occur, shall be omitted;

(d) for rule 17, the following shall be substituted, namely —

“17. *Chairman to preside.*—Every meeting of the Council shall be presided over by the *Chairman* and in the absence of the *Chairman*, such one of the *members* present and chosen by them from amongst themselves shall be the *Chairman* for that meeting”.

[No. TGO(68)/77]

B. B. MAHAJAN, Jt Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय,

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1977

सा० का० नि० 777(अ).—सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की धारा 44 की उपधारा (2) के खंड (च) के साथ पठित उ. धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दिल्ली परिवहन निगम (सलाहकारी परिषद्) नियम, 1973 में और मशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम दिल्ली परिवहन निगम (सलाहकारी परिषद्) तृतीय मशोधन नियम, 1977 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2 दिल्ली सड़क परिवहन निगम (सलाहकारी परिषद्) नियम, 1973 में —

(क) नियम 2, में, खंड (उ) और (छ) हटा दिए जायें ,

(ख) नियम 3 में,

(i) खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाए, अर्थात् —

“(क) निगम के अध्यक्ष-एव-महाप्रबन्धक, जो परिषद् के पदेन अध्यक्ष होंगे ।”;

(ii) खंड (ख) और (ग) हटा दिए जाए ;

(iii) उपनियम (2) में शब्द “उपाध्यक्ष”, “कनिष्ठ उपाध्यक्ष” हटा दिए जाए ।

(ग) नियम 8 के उपनियम 1 में, शब्द “उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष” जहाँ भी हो, हटा दिए जाएं,

(घ) नियम 17 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाए, अर्थात् —

“17. अध्यक्ष द्वारा अध्यक्षता करना —परिषद् की प्रत्येक बैठक में अध्यक्ष महोदय अध्यक्षता करेंगे और अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, कोई भी उपस्थित सदस्य जिसे अपनों में से चुना गया हो, उस बैठक के अध्यक्ष होंगे ।

[स० टी० जी० ओ० (68), 77]

बी० बी० महाजन, सयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्ट रोड नई दिल्ली द्वारा

नियम तथा नियमक, प्रकाशन विभाग दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977